NEWS CLIPPING:10.02.2022

THE TRIBUNE

TRAINING ON CLOUD COMPUTING

Faridabad: A week-long short term training programme (STTP) on "Cloud computing and Internet of things (IoT)" was inaugurated at JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. This programme is aimed at bringing eminent speakers who are experts of industry and academics from reputed institutes, to enrich the participants with modern trends, in the field in IoT and cloud computing sector. The programme is organised by the Electronics engineering department and sponsored by the AICTE. Gopi Srinivasan, industry executive of Microsoft who was chief guest at the inaugural session enlightened the participants about the latest trends of IoT. The session was presided over by Vice Chancellor Raj Nehru.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.02.2022

PIONEER

हाथ के इशारे से चलेगी दिव्यांगजनों की व्हीलचेयर

जेसी बोस विवि के युवा इंजीनियर्स ने विकसित किया प्रोटोटाइप

दिव्यांगजनों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए विद्यार्थी सस्ती व्हीलचेयर बनाने पर कर रहे काम

जेसी बोस विश्व विद्यालय के छात्रों द्वारा विकसित की गई हैंड जेस्चर कंट्रोल व्हीलचेयर का निरीक्षण करते वरिष्ठ संकाय सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, वाईएमसीए, फरीदाबाद के इंजीनियरिंग छात्रों की एक टीम ने दिव्यांगजनों के लिए हैंड जेस्चर (हाथ के इशारे) द्वारा नियंत्रित व्हीलचेयर विकसित की है जो दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन को आसान बनाएगी। हैंड जेस्चर नियंत्रित व्हीलचेयर की मदद से शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति व्हीलचेयर को अपने हाथों से मार्गदर्शित कर एक जगह से दूसरी जगह जा सकता है।

इन दिनों, जब 80 हजार से 1.5 लाख रुपये तक की कीमत वाली जॉयस्टिक नियंत्रित व्हीलचेयर बाजार में उपलब्ध है, तो छात्रों ने दिव्यांगजनों के लिए सस्ती एवं सुविधाजनक व्हीलचेयर विकसित करने लक्ष्य रखा तथा इसे इनोवेटिव खूबियों के साथ 50 हजार रुपये के अंदर-अंदर विकसित करने में सफलता हासिल की। इस प्रोजेक्ट को मैकेनिकल इंजीनियरिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा संध्या यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के छह युवा इंजीनियर्स ने तीन महीनों के समय में पूरा किया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के समक्ष टीम द्वारा व्हीलचेयर के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर डीन क्वालिटी एश्योरेंस प्रो. संदीप ग्रोवर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग एवं संकाय समन्वयक डॉ. राजीव साहा और डॉ. संजय कुमार भी उपस्थित थे।

टीम ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के मेक्ट्रोनिक्स क्लब के अंतर्गत बनाये गये इस प्रोजेक्ट को 'मदद' नाम दिया है। टीम ने बताया कि व्हीलचेयर में हाथ के इशारे पर संचालन एवं गति नियंत्रण की विशेषताएं हैं। टीम ने दावा किया है कि यह प्रोजेक्ट उन दिव्यांगजनों की मदद करेगा जो बिना किसी मदद के एक जगह से दूसरी जगह नहीं जा सकते। उन्होंने इस प्रोटोटाइप को और अधिक सुविधाओं और अनुप्रयोगों के साथ विकसित करने की योजना बनाई है ताकि इसे उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाया जा सके।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.02.2022

AMAR UJALA

सुविधा

जेसी बोस विवि के युवा इंजीनियर ने विकसित किया प्रोटोटाइप, दिव्यांगों की होगी मदद

हाथ के इशारे पर चलने वाली व्हीलचेयर बनाई

प्रोटोटाइप का निरीक्षण करते वरिष्ठ संकाय सदस्य। -संवाद

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) के इंजीनियरिंग छात्रों की एक टीम ने दिव्यांगजनों के लिए हैंड जेस्चर (हाथ के इशारे) द्वारा नियंत्रित व्हीलचेयर विकसित की है। उनके दैनिक जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से यह चेयर तैयार की गई। शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति व्हीलचेयर को अपने हाथों से मार्गदर्शित कर एक जगह से दूसरी जगह जाने की सुविधा ले सकेंगे।

करीब 50 हजार रुपये तक के खर्च से यह चेयर बनाई गई। मेकेनिकल इंजीनियरिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा संध्या यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के छह युवा इंजीनियर सहपाठियों ने तीन माह में प्रोजेक्ट को पूरा किया। वरिष्ठ संकाय सदस्यों के समक्ष टीम द्वारा व्हीलचेयर के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर डीन क्वालिटी एश्योरेंस प्रो. संदीप ग्रोवर, मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग एवं संकाय समन्वयक डॉ. राजीव साहा और डॉ. संजय कुमार भी उपस्थित रहे। टीम ने मेक्ट्रोनिक्स क्लब के अंतर्गत बनाए गए इस प्रोजेक्ट को 'मदद' नाम दिया है।

NEWS CLIPPING:10.02.2022

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस यूनिवर्सिटी के छात्रों ने हाथ के इशारों से चलने वाली व्हीलचेयर तैयार की, 50 हजार रुपये आई है लागत

हाथ के इशारे ने आसान बनाया दिव्यांगों का जीवन

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग मेट्रोनिक्स क्लब के छात्रों ने दिव्यांगों के चुनौतीपूर्ण जीवन को थोड़ा आसान बनाने के लिए हाथों द्वारा नियंत्रित होने वाली व्हीलचेयर विकसित की है। हाथों के इशारों ने दिव्यांगों के आवागमन को आसान बना दिया है। इसे तैयार करने वाले छात्रों को दावा है कि यह बाजार में आने वाली अन्य इलेक्ट्रिक व्हील चेयर से बहुत ही किफायती है। बाजार में 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये की व्हीलचेयर आती हैं, जबकि जेसी बोस के छात्रों ने इसे 50 हजार रुपये में तैयार किया है। इसे तैयार करने में तीन महीने का समय लगा है, इसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्रा संध्या यादव ने सहयोग किया है। मैकेनिकल इंजीनियर विभाग के समन्वयक राजीव साहा ने बताया कि यूनिवर्सिटी में हर साल ऐसे छात्र भी दाखिला लेते हैं, जिन्हें अपनी कक्षा तक पहुंचने में काफी परेशानी होती है। इस व्हीलचेयर की मदद से छात्र आसानी से यूनिवर्सिटी में घूम सकते हैं और कक्षा में जा सकते हैं। अभी इसका प्रोटो टाइप तैयार किया गया है और कई तरह के बदलाव किए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट को मदद नाम दिया गया है।

जेसी बोस विश्वविद्यालय की मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्रा संध्या यादव व्हीलचेयर का ट्रायल देती हुई। साथ में हैं यूनिवर्सिटी के अन्य पदाधिकारी • सौ. यूनिवर्सिटी पीआरओ

व्हीलचेयर बनाने में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की छात्रा संध्या यादव ने किया है सहयोग, इस प्रोजेक्ट को मदद नाम दिया गया है

अभी होंगे कई बदलाव

राजीव साहा ने बताया कि कई ऐसे भी दिव्याग होते हैं, जो हाथ भी नहीं हिला सकते हैं। ऐसे दिव्यांगों के लिए अभी और बदलाव किए जाएंगे। इसमें वाइस मूवमेंट को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा स्पीड को स्मूद बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

प्रोटो टाइप का किया ट्रायल

हाथों के इशारे से चलने वाली व्हीलचेयर के प्रोटो टाइप का बुधवार को ट्रायल किया गया। छात्रा संध्या यादव ने इलेक्ट्रानिक गैजेट्स वाले ग्लव्स पहनकर ट्रायल दिया। इस दौरान डीन क्वालिटी एश्योरेंस प्रो. संदीप ग्रोवर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार, कुलसचिव डा.एसके गर्ग और डा.संजय कुमार उपस्थित रहे।

ऐसे करती है काम

राजीव साहा ने बताया कि इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का एक ग्लव्स तैयार किया गया है। यह गैजेट्स हाथों के इशारे को समझकर वाईफाई के जरिये मोटर तक पहुंचाते हैं और मोटर उसी के अनुरूप पहियों को मोड़ते हैं। उन्होंने बताया कि यदि हाथों को ऊपर की तरफ किया जाए, तो व्हीलचेयर पीछे जाएगी। वही नीचे की तरफ किया जाए, तो स्पीड बढ़ेगी और सामने करने पर व्हीलचेयर रुक जाएगी।

NEWS CLIPPING:10.02.2022

PUNJAB KESARI

दिव्यांगजनों की 'मदद' के लिए हाथ के इशारे पर चलने वाली व्हीलचेयर

जेसी बोस विश्वविद्यालय के युवा इंजीनियर्स ने विकसित किया प्रोटोटाइप

फरीदाबाद, 9 फरवरी (महावीर गोयल): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के इंजीनियरिंग छात्रों की एक टीम ने दिव्यांगजनों के लिए हैंड जेस्चर (हाथ के इशारे) द्वारा नियंत्रित व्हीलचेयर विकसित की है जो दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन को आसान बनायेगी। हैंड जेस्चर नियंत्रित व्हीलचेयर की मदद से शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति व्हीलचेयर को अपने हाथों से मार्गदर्शित कर एक जगह से दूसरी जगह जा सकता है।

इन दिनों, जब 80 हजार से 1.5 लाख रुपए तक की कीमत वाली जॉयस्टिक नियंत्रित व्हीलचेयर बाजार में उपलब्ध है, तो छात्रों ने दिव्यांगजनों के लिए सस्ती एवं सुविधाजनक व्हीलचेयर विकसित करने लक्ष्य रखा तथा इसे इनोवेटिव खूबियों के साथ 50 हजार रुपए के अंदर-अंदर विकसित करने में सफलता हासिल की। इस प्रोजेक्ट को मैकेनिकल इंजीनियरिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा संध्या यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के छह युवा इंजीनियर्स ने तीन महीनों के समय में पूरा किया।

युवा इंजीनियर्स द्वारा विकसित हैंड जेस्चर कंट्रोल व्हीलचेयर के प्रोटोटाइप का निरीक्षण करते हुए वरिष्ठ संकाय सदस्य।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के समक्ष टीम द्वारा व्हीलचेयर के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर डीन क्वालिटी एश्योरेंस प्रो. संदीप ग्रोवर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार, कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग एवं संकाय समन्वयक डॉ. राजीव साहा और डॉ. संजय कुमार भी उपस्थित थे। टीम ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के मेक्ट्रोनिक्स क्लब के अंतर्गत बनाये गये इस प्रोजेक्ट को 'मदद' नाम दिया है। टीम ने बताया कि व्हीलचेयर में हाथ के इशारे पर संचालन एवं गति नियंत्रण की विशेषताएं हैं।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.02.2022

HADOTI ADHIKAR

विश्व रेडियो दिवस पर 'रेडियोफ़ीएस्टा' उत्सव

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 9 फरवरी। संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग, जे. सी. बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए रेडियो महारानी- अंतरराष्ट्रीय डिजिटल रेडियो के साथ मिलकर विश्व रेडियो दिवस पर 10 और 11 फरवरी को दो दिवसीय रेडियो फ़ेस्टिवल 'रेडियोफ़ीएस्टा' का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पवन मलिक, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग ने कहा कि इस रेडियो फ़ेस्टिवल में विद्यार्थियों के लिए आर जे हंट, पॉड्कास्ट, और रेडियो जिंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसने भारत भर से विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्र भाग ले रहें हैं।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:10.02.2022

HINDUSTAN

इशारे पर चलने वाली व्हीलचेयर बनाई

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के इंजीनियरिंग छात्रों की टीम ने दिव्यांगजनों के लिए हैंड जेस्चर (हाथ के इशारे) पर नियंत्रित होने वाली व्हीलचेयर बनाई है। इस खास व्हीलचेयर की मदद से शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति व्हीलचेयर को अपने हाथों से एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं।

बाजार में 80 हजार से 1.5 लाख रुपये तक की कीमत वाली इस जॉयस्टिक नियंत्रित व्हीलचेयर को छात्रों ने दिव्यांगजनों 50 हजार रुपये में विकसित किया है। प्रोजेक्ट को मैकेनिकल इंजीनियरिंग की अंतिम वर्ष की छात्रा संध्या यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालयों के छह युवा इंजीनियर्स ने तीन महीनों के समय में पूरा किया।

टीम ने बुधवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के वरिष्ठ संकाय सदस्यों के सामने व्हीलचेयर के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया। मौके पर डीन क्वालिटी एश्योरेंस प्रो. संदीप ग्रोवर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और संकाय समन्वयक डॉ. राजीव साहा और डॉ. संजय कुमार उपस्थित रहे।

वाईएमसीए में रेडियोफिस्टा उत्सव आज से

जेसी बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग की ओर से फरीदाबाद रेडियो महारानी डिजिटल रेडियो के साथ मिलकर 10 और 11 फ़रवरी को रेडियोफिस्टा का आयोजन किया जाएगा। डॉ. पवन मलिक ने बताया कि इस रेडियो फ़ेस्टिवल में छात्रों के लिए आरजे हंट, पॉड्कास्ट, और रेडियो जिंगल प्रतियोगिता का आयोजन होगा।